

में तेरे बिन रह नहीं सकदा माँ मैनु तेरी आदत पै गयी ए

में तेरे बिन रह नहीं सकदा माँ,
मैनु तेरी आदत पे गयी ए ।
में जूदइयाँ सह नहीं सकदा माँ ,
मैनु तेरी आदत पह गयी ए ॥

तूं सारे जग दी माँ है, मैनु मेरी माँ ने दस्या सी ।
बचैया लई ठंडी छां है, मैनु मेरी माँ ने दस्या सी ।
में मूहो कुछ कह नहीं सकदा माँ , मैनु..... ॥

मैनु हरपल महारानी तेरी ही याद सतउंदी ऐ
न दिन च चैन मिलदा ऐ न राति नींद ही औंदी ऐ
में साह वी ले नहीं सकदा माँ, मैनु..... ॥

में तेरे रंग विच मैए अपना तन मन रंगेया ऐ
में होर कुछ न मंगया तेरा दीदार ही मंगया ऐ
में खाली बह नहीं सकदा माँ , मैनु..... ॥

मेरे रोम रोम विच दाती तेरे ही नाम दी माला ऐ
मेरे चंचल मन विच मैया तेरा ही रूप निराला ऐ
ऐ घर हुन्न ढह नहीं सकदा माँ, मैनु तेरी जरूरत पे गयी ए
में तेरे बिन रह नहीं...

स्वर : [नरेन्द्र चंचल](#)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1296/title/main-tere-bin-reh-nahi-sakda-maa-mainu-teri-adat-pai-gayi-eh>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |